कार्यालय नन्द बाबा दुग्ध मिशन, उ0प्र0, लखनऊ

गौपालकों के लिए खुशखबरी! नन्द बाबा दुग्ध मिशन की सौगात!

नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अन्तर्गत 25 स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायों की इकाई स्थापित करने हेतु अधिकतम रू0 31.25 लाख/30.50 लाख का तीन चरणों में अनुदान प्राप्त करने का अवसर।

योजना के मुख्य बिन्दु–

- वर्ष 2025–26 में योजना प्रदेश के 57 जनपदों यथा–फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी, हाथरस, एटा, कासगंज, हमीरपुर, चित्रकूट, महोबा, जालौन, ललितपुर, कानपुर देहात, फर्रूखाबाद, कन्नौज, औरेया, इटावा, रायबरेली, हरदोई, उन्नाव, लखीमपुर–खीरी, सीतापुर, बलिया, मऊ, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, चन्दौली, जौनपुर, गाजीपुर, सोनभद्र, संतरविदास नगर (भदोही), अमेठी, सुलतानपुर, अम्बेडकरनगर, बाराबंकी, शाहजहॉपुर, पीलीभीत, बदॉयू, बिजनौर, अमरोहा, सम्भल, रामपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हापुड़, बुलन्दशहर में लागू है।
- योजना में साहीवाल, गिर, थारपारकर एवं गंगातीरी (गंगातीरी अधिकतम 05) नस्ल की 25 गाय की इकाई होगी।
- लाभार्थी अंश 15 प्रतिशत, बैंक ऋण 35 प्रतिशत तथा इकाई लागत का अधिकतम 50 प्रतिशत अनुदान।
- गाय का क्रय प्रदेश के बाहर से यथासंभव ब्रिडिंग ट्रैक्ट से लाभार्थी द्वारा किया जायेगा।
- क्रय की जाने वाली गाय प्रथम या द्वितीय ब्यॉत की होनी चाहिए तथा गौवंश डेढ़ माह से पूर्व ब्याये न हों।
- इकाई स्थापना हेतु लगभग 0.5 एकड़ भूमि तथा चारा उत्पादन हेतु 1.5 एकड़ भूमि अनिवार्य, भूमि स्वयं की अथवा पैतृक/साझेदारी अथवा 07 वर्षों का पंजीकृत अनुवन्ध पर ली गयी हो, भूमि जलभराव से मुक्त।
- पूर्व में संचालित कामधेनु, मिनी/माइक्रो कामधेनु योजना के लाभार्थी, इस योजना हेतु पात्र नहीं होगें।

इस योजना के सम्वन्ध में आवेदन नन्द वावा दुग्ध मिशन पोर्टल https://nandbabadugdhmission.up.gov.in पर ऑनलाईन आमंत्रित किया जायेगा। योजना के सम्वन्ध में विवरण उक्त पोर्टल पर उपलब्ध है। योजना की अधिक जानकारी के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उप दुग्धशाला विकास अधिकारी अथवा मुख्य विकास अधिकारी के कार्यालयों से सम्पर्क किया जा सकता है।

आवेदन प्रारम्भ की तिथि 14–07–2025

आवेदन की अन्तिम तिथि 13–08–2025

गौपालन से आपकी आय बढ़ेगी, आपका एवं आपके परिवार का भविष्य सुनहरा होगा!

मिशन निदेशक,
नन्द बावा दुग्ध मिशन।